M–235

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य(Assignment Work)सत्र –जुलाई–जुन 2025–26

एम.ए. (संस्कृत) अंतिम

विषय –गद्य एवं काव्य **प्रश्नपत्रः प्रथम**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः–परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ– अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब –अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स –लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द –अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

खण्ड.अ

1. शापित यक्ष ने कहाँ निवास किया ?
2. त्रिदश का अर्थ लिखिए।
3. अलकापुरी किस पर्वत पर स्थित .
4. 'मैथिलीव' में कौन–सा अलंकार .
5. दमयन्ती किस देश की राजकुमारी थी ?
6. चक्षुश्रवा किसे कहा जाता .
7. हिमालय की पत्नी का नाम लिखिए।
8. 'कुमारसंभव' का अंगीरस क्या .

खण्ड.ब

9. रामगिरि पर्वत का वर्णन कीजिए।
10. "सूर्यापाये न कमलम्" का भावार्थ लिखिए।
11. यक्षिणी की विरहावस्था का वर्णन कीजिए।
12. "यशः परं तद्भटचातुरी तुरी" पर प्रकाश डालिए।
13. "एको हि दोषो गुणसन्निपाते" का सार लिखिए।
14. पार्वती के सौन्दर्य का वर्णन कीजिए।

सत्रीय कार्य– 2

खण्ड.स

15. निम्नलिखित की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए :

    तस्यास्तिक्तैर्वनगजमदैर्वासितं वान्तवृष्टिः,
    जम्बूकुञजप्रतिहतरयं तोयमादायगच्छेः।
    अन्तः सारं धनतुलयितुं नानिलः शक्ष्यति त्वां,
    रिक्तः सर्वो भवति हि लघुः पूर्णता गौरवाय।।

16. निम्नलिखित की सन्दर्भ व्याख्या कीजिए :

    शेषन्मासान् विरहदिवसस्थापितस्यावधेर्वा,
    विन्यस्यत्ती भुवि गणनया देहलीदत्त पुष्पैः।
    सम्भोगं वा हृदयनिहितारम्भमास्वादयन्ती,
    प्रायेणैते रमणविरहेष्वङ्गनानां विनोदाः।।

17. निम्नलिखित की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए :

    अधीति बोधा चरण प्रचारणैः
    दशा चतस्रः प्रणयन्तुपाधिभिः।
    चतुर्दशत्वं ङुतवान् कुतः स्वयं,
    न वेद्मि विद्यासु चतुर्दशस्वयम्।।

18. निम्नलिखित की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए :

    कपोलकण्डूः करिभिखवनेतुं विधट्टितानां सरलद्रुमाणाम्।
    यत्रस्रुतक्षरितया प्रसूतः सानूनिगन्धः सुरभीकरोति।।

सत्रीय कार्य– 3

खण्ड.द

19. सिद्ध कीजिए कि मेघदूत एक सफल गीतिकाव्य है।
20. "मेघे माघे गतं वयः" इस उक्ति की समीक्षा कीजिए।
21. श्रीहर्ष की काव्यकला एवं भाषाशैली की विवेचना कीजिए।
22. कालिदास की रचनाओं पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

सत्रीय कार्य– 4

खण्ड.इ

23. "कविकुलगुरुः कालिदासो विकासः" का सविस्तार वर्णन कीजिए।
24. 'नैषधीय चरितम्' के महाकाव्यत्व की समीक्षा कीजिए।

× × × × ×

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 28 फरवरी 2026 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुन–जुलाई 2025–26 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुन–जुलाई 2025–26 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

M–236

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य(Assignment Work)सत्र –जुलाई–जुन 2025–26

एम.ए. (संस्कृत) अंतिम

विषय –साहित्यशास्त्र **प्रश्नपत्रः द्वितीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः–परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ– अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब –अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स –लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द –अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

खण्ड.अ

1. 'काव्यप्रकाश' किसमें विभक्त .
2. मम्मट अनुसार रसों की संख्या ..... है।
3. क्या कभी भी वाच्य नहीं होता ?
4. 'काव्यालंकार' किसकी रचना .
5. नान्दी कब होती .
6. रौद्र रस का स्थायीभाव लिखिए।
7. काव्य की आत्मा क्या .
8. गुणीभूत व्यङ्ग्य काव्य के कितने भेद हैं ?

खण्ड.ब

9. 'अनलङ्कृत्ती पुनः क्वापि' का क्या अर्थ .
10. किस ध्वनि में वाच्य और व्यङ्ग्य का क्रम सुलक्ष्य नहीं .
11. ध्वनि का लक्षण लिखिए।
12. काव्य में औचित्य की आवश्यकता क्यों .
13. काव्य शास्त्र के प्रमुख सम्प्रदायों के नाम लिखिए।
14. काव्यप्रयोजन को समझाइए।

सत्रीय कार्य– 2

खण्ड.स

15. उत्तम काव्य के लक्षणों को लिखिए।
16. भट्टनायक के भुक्तिवाद की विशेषता बताइए।
17. 'ध्वन्यालोक' में प्रस्तुत ध्वनिकार के प्रतिज्ञा वाक्य की व्याख्या कीजिए।
18. रंगशीर्ष क्या .

सत्रीय कार्य– 3

खण्ड.द

19. आचार्य मम्मट का परिचय दीजिए।
20. नाट्य सम्बन्धी विविध मतों की समीक्षा कीजिए।
21. संकेतग्रह के उपायों एवं विषयों की व्याख्या कीजिए।
22. वाच्य और प्रतीयमान अर्थ में अंतर बताइए।

सत्रीय कार्य– 4

खण्ड.इ

23. साहित्यशास्त्र में काव्यहेतु के महत्व को लिखिए।

24. ध्वनिभेद को समझाइए।

× × × × ×

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 28 फरवरी 2026 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुन–जुलाई 2025–26 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुन–जुलाई 2025–26 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

M–237

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य(Assignment Work)सत्र –जुलाई–जुन 2025–26

एम.ए. (संस्कृत) अंतिम

विषय –नाटक तथा नाट्यशास्त्र **प्रश्नपत्रः तृतीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 10**

नोटः–परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ– अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब –अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स –लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द –अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

खण्ड.अ

1. 'मुद्राराक्षस' के द्वितीय अंक का क्या नाम .
2. 'चन्द्रगुप्ते राजन्यपरिग्रहश्ध्बलानाम्' किसका कथन .
3. दुर्योधन के पुरोहित का क्या नाम था ?
4. भट्टनारायण का क्या गोत्र .
5. 'मृच्छकटिकम्' के द्वितीय अंक का क्या नाम .
6. 'गुणेषु यत्नः पुरुषेण कार्यः' किसका कथन .
7. रौद्ररस में किस वृत्ति का प्रयोग होता .
8. किस वृत्ति में सभी रसों का प्रयोग होता .

खण्ड.ब

9. काञ्चुकीय का क्या लक्षण . समझाइए।
10. 'विद्वांसोऽविकत्थना भवन्ति' इसकी व्याख्या कीजिए।
11. द्रोणाचार्य के वध का वृतान्त लिखिए।
12. मैत्रेय कौन . उसके गुणों को लिखिए।
13. नाटक का लक्षण लिखिए।
14. प्रवेशक किसे कहते हैं ?

सत्रीय कार्य– 2

खण्ड.स

15. 'मुद्राराक्षस' के अनुसार चाणक्य की क्या योजना थी ?
16. अश्वत्थामा और कर्ण के बीच विवाद का कारण स्पष्ट कीजिए।
17. शखवलक किस प्रयोजन से चारुदत्त के घर चोरी करता .
18. धीर ललित नायक का लक्षण स्पष्ट कीजिए।

सत्रीय कार्य– 3

खण्ड.द

19. 'मुद्राराक्षस' के तृतीय एवं चतुर्थ अंक का कथासार लिखिए।
20. भट्टनारायण ङुत 'वेणीसंहार' नाटक की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।
21. 'मृच्छकटिकम्' के रचयिता का परिचय देते हुए, इसका कथासार लिखिए।
22. आचार्य धनञ्जय ङुत 'दशरूपकम् का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

सत्रीय कार्य– 4

खण्ड.इ

23. 'वेणीसंहार' नाटक के नाटकीय तत्वों की समीक्षा कीजिए।
24. 'मृच्छकटिकम्' की काव्यगत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 28 फरवरी 2026 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुन–जुलाई 2025–26 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुन–जुलाई 2025–26 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

M–238

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य(Assignment Work)सत्र –जुलाई–जुन 2025–26

एम.ए. (संस्कृत) अंतिम

विषय –भारतीय समाज एवं पर्यावरण **प्रश्नपत्रः चतुर्थ**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः–परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ– अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब –अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स –लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द –अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

खण्ड.अ

1. स्त्री की बुद्धि छोटी होती है। किस ग्रन्थ की उक्ति .
2. वैदिक शिक्षा में सर्वाधिक महत्वपूर्ण ..... माना गया है।
3. उपपुराणों की संख्या ..... है।
4. आदिपुराण किसे कहते हैं ?
5. किस सूक्त में चार वर्णों का उल्लेख .
6. तत्व ज्ञान का उपदेश करने वाले को ..... कहते हैं।
7. लक्ष्मी का वाहन ..... है।
8. सर्वाधिक वर्षा वाला देश ..... है।

खण्ड.ब

9. ऋग्वेद में कितने प्रकार के देवों का उल्लेख .
10. भागवत पुराण का वैशिष्ट्य बताइए।
11. आर्य संस्ड्रति के मूल स्तंभ के बारे में लिखिए।
12. पुराण को मुख्यतः कितने भागों में बाँटा गया .
13. शिक्षा के प्रमुख उद्देश्यों को लिखिए।
14. पर्यावरणीय समस्या के कारण को बतलाइए।

सत्रीय कार्य– 2

खण्ड.स

15. पुराण का लक्षण लिखिए।
16. विष्णु जी से सम्बन्धित किन्हीं तीन पुराणों के नाम लिखिए।
17. अग्निपुराण की कौन–सी विशेषता . उल्लेख कीजिए।
18. सामाजिक व्यवस्था में विवाह के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

अथवा

पर्यावरण संरक्षण के उपाय लिखिए।

सत्रीय कार्य– 3

खण्ड.द

19. भ्रमण धर्म के चार आर्य सत्यों पर प्रकाश डालिए।
20. पुराणों के महत्व को संक्षेप में लिखिए।
21. संस्ड्रत साहित्य में प्राचीन दण्ड व्यवस्था का उल्लेख कीजिए।
22. उपपुराण किसे कहते हैं ? नामोल्लेख कीजिए।

अथवा

पर्यावरण को परिभाषित कीजिए एवं इसके महत्व पर प्रकाश डालिए।

सत्रीय कार्य– 4

खण्ड.इ

23. पर्यावरण संरक्षण हेतु किए जा रहे प्रयासों को लिखिए।

24. संस्कृत साहित्य में राष्ट्रीयता की अवधारणा की समीक्षा कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 28 फरवरी 2026 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुन–जुलाई 2025–26 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुन–जुलाई 2025–26 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**